

॥ नष्ट द्रव्य प्राप्ति सूक्तम् ॥

.. naShTa dravya prApti sUktam ..

sanskritdocuments.org

August 20, 2017

---

.. naShTa dravya prApti sUktam ..

॥ नष्ट द्रव्य प्राप्ति सूक्तम् ॥

Sanskrit Document Information



---

Text title : naShTadravyaprAptisUktam svarita

File name : naShTadravyaprAptisUkta.itx

Category : sUkta, veda, svara

Location : doc\_veda

Language : Sanskrit

Subject : hinduism/Veda

Description-comments : Rigveda Mandala 6.54

Latest update : April 14, 2012

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

---

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

August 20, 2017

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ नष्ट द्रव्य प्राप्ति सूक्तम् ॥


सं पूषन्विदुषा नय यो अञ्जसानुशासति ।  
य एवेदमिति ब्रवत् ॥ ६.०५४.०१  
समु पूष्णा गमेमहि यो गृह्णाँ अभिशासति ।  
इम एवेति च ब्रवत् ॥ ६.०५४.०२  
पूष्णश्चक्रं न रिष्यति न कोशोऽव पद्यते ।  
नो अस्य व्यथते पविः ॥ ६.०५४.०३  
यो अस्मै हविषाविधन्न तं पूषापि मृष्यते ।  
प्रथमो विन्दते वसु ॥ ६.०५४.०४  
पूषा गा अन्वेतु नः पूषा रक्षत्वर्वतः ।  
पूषा वाजं सनोतु नः ॥ ६.०५४.०५  
पूषन्ननु प्र गा इहि यजमानस्य सुन्वतः ।  
अस्माकं स्तुवतामुत ॥ ६.०५४.०६  
माकिर्नेशन्माकी रिषन्माकीं सं शारि केवटे ।  
अथारिष्टाभिरा गहि ॥ ६.०५४.०७  
शृण्वन्तं पूषणं वयमिर्यमनष्टवेदसम् ।  
ईशानं राय ईमहे ॥ ६.०५४.०८  
पूषन्तव व्रते वयं न रिष्येम कदा चन ।  
स्तोतारस्त इह स्मसि ॥ ६.०५४.०९  
परि पूषा परस्ताद्धस्तं दधातु दक्षिणम् ।  
पुनर्नो नष्टमाजतु ॥ ६.०५४.१०

Audio [www.rAga.com/play/?id=77482](http://www.rAga.com/play/?id=77482)

.. naShTa dravya prApti sUktam ..

Searchable pdf was typeset using XeTeXgenerateactualtext feature of Xe<sub>La</sub>TeX 0.99996

on August 20, 2017

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

